प्रश्न - पेपर १२ मार्क्स १००

राजनगर प्रश्नपेपर धोरण 5

प्र·१ (अ) नीचेना भाव बतावती गाथा मूल मात्र लखो गमे ते - ५ 8 मार्क्स

(१) मृत्युनी व्याख्या (२) मन वगरना हाथीनी ऊँचाई

(3) यथाख्यात चारित्र नुं स्वरूप (५) संवरना भेदो (5) जीवविचारनुं उध्धरण

(ब) नीचेना भावदर्शक गाथाना अर्थमात्र लखो । गमे ते - ५ 8 मार्क्स

(१) मांकडनी पर्याप्ति (२) जीवना भेदोनी पूर्णता

(3) आयुष्य कर्मनी पुण्यप्रकृति (५) आठ कर्मनो जघन्य स्थितिबंध

(5) सम्यग्दर्शन नुं फल

प्र·२ नीचेना शब्दोना स्पष्ट अर्थ लखो । गमे ते - १० १० मार्क्स

(१) पाडुच्चेय (२) आकिंचणं (3) साहगा (५) अवहारणं

(5) अयाणमाणेवि (6) ऊसं (7) पणगा (8) नऊल

(९) वियय (१०) रयणीओ (११) सुत्ताउ

प्र·3 नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो । गमे ते - १० ३० मार्क्स

(१) अधोलोकमां देवोना केटला तथा कया-कया भेद घटे ?

(२) त्रस नाडीनुं प्रमाण लखी चौद राजलोकनुं स्वरूप जणावो ।

(3) अमदावादमां औदारिक शरीरवाला जीवोना भेद केटला घटे ते जणावी लोकान्तिक तथा वैमानिक शब्दनी व्याख्या लखो।

(५) १२5 हाथनी ऊंचाईवाला जीवभेद जणावी १।।। धनुष्यनी ऊंचाईवाला जीवभेद जणावो ।

(5) पूर्वनी संख्या लखी, बाहु स्वामी ऊपर 5 द्वार घटाडो ।

(6) नवतत्त्व ग्रंथमां मंगलाचरण समजावी लक्षण कोने कहेवाय ते दृष्टान्त पूर्वक समजावो ।

(7) नवतत्त्वमांथी आपणने केटला तत्त्व घटे ते जणावी लब्धिपर्याप्तानो काल वधु के करण पर्याप्तानो ! केवी रीते ?

(8) युगना मूहूर्त्त केटला ? ते जणावी ९ प्रकारे बंधायेल पुण्य केटला प्रकारे भोगवाय छे ? अने ८२ प्रकारे भोगवानुं पाप केटला प्रकारे बंधाय छे ते जणावो ।

(९) नवी साडी लावी अने शेरीमां बतावीए त्यारे, तालु न उघडतु होय तो चावीने पछाडीये त्यारे, तथा कोईने आक्षेप आपीए त्यारे कइ-कइ क्रिया लागे !

(१०) चारित्रनी व्याख्या लखी प्रायश्चित्त तथा विनयना प्रकार केटला ?

(११) क्षायोपशमीक तथा औपशमिकनो तफावत जणावी केटला हाथनी कायावालो जीव मोक्षमां जाय तो त्यां तेनी अवगाहना १५० धनुष्यनी रहे !

प्र· ५

(१) समकित एटले शुं ? आ सज्झाय तेना विकास माटे केवी रीते उपयोगी थाय छे ?

(२) ढाल १ गा· 6, ढाल - २ गा 3, ढाल ५ गा २ मूलमात्र लखो ।

(3) ढाल 5 गा. 4 तथा ढाल 3 गा. 4 नो अर्थ मात्र लखवो

(4) पासत्था, आशातनानीहाणा वचनशुध्धि आ द्वारो समजावो

(5) पाँच ढालना पांच अधिकारना नामनी व्याख्या लखवो

दरेक प्रश्नना 4 मार्क्स, कुल २० मार्क्स

प्र. 5 (अ) नीचेना पदवाली गाथाओ लखवो

(1) विमलगीरिवर तो परम्

(2) 'वंदो जिन' आ स्तुति नी ज्ञान स्तुति तथा ऋषभचंद्रानन नी चोथी स्तुति

(3) परमातम -- स्तवन नी गा. 5 मी

(4) रत्नाकर पच्चीशी गा. 13 तथा २5 मूलमात्र लखवो !

दरेकना २॥ मार्क्स, कुल - १०

(ब) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखवो

(1) चउरिन्द्रियने होय अने बेइन्द्रियने न होय तेवी कइ इन्द्रिय ?

(2) ऊर्ध्वलोकना इन्द्रो केटला ? कया कया ते जणावी गतिमां कषायोनी घटना करो !

(3) भाषासमिति अने मनगुप्ति नो भेद दृष्टान्त पूर्वक लखवो !

अक्षर शुध्धिना - 5 मार्क्स

१०० कुल